जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

26 जुलाई 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "द कोविड पेंडेमिक: ए परफेक्ट स्टॉर्म ऑफ़ कैपिटलिस्ट इररेशनेलिटीज़ एंड इनजस्टिस" पर व्याख्यान

अंग्रेजी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने न्यू स्कूल फॉर सोशल रिसर्च के प्रो. नैन्सी फ्रेजर, हेनरी ए और लुईस लोएब प्रोफेसर द्वारा शुक्रवार, 23 जुलाई, 2021 को रात 8:00 बजे आईएसटी अनुसार जूम पर प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला, "द कोविड पेंडेमिक: ए परफेक्ट स्टॉर्म ऑफ़ कैपिटलिस्ट इररेशनेलिटीज़ एंड इनजस्टिस" पर तीसरा व्याख्यान आयोजित किया । यह व्याख्यान शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित शैक्षिक एवं अनुसंधान सहयोग प्रोन्नति योजना (स्पार्क) के अंतर्गत, अंग्रेजी विभाग और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के क्रम में आयोजित किया गया जोकि क्रमिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान श्रंखला के लिए प्रतिबद्ध है।

वार्ता का संचालन सुश्री श्रद्धा ए. सिंह और सुश्री ज़हरा रिज़वी, पीएच.डी. स्कॉलर, अंग्रेजी विभाग, जामिया द्वारा किया गया जिसमें दुनिया भर से और विभिन्न टाइम जोन में बड़ी संख्या में विद्वानों, छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. सिमी मल्होत्रा, अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, जामिया, भारतीय पीआई ने स्वागत भाषण दिया, आमंत्रित वक्ता, संकाय, विद्वानों और छात्रों का अभिवादन किया। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित शैक्षिक एवं अनुसंधान सहयोग प्रोन्नति योजना (स्पार्क) के अंतर्गत, अंग्रेजी विभाग और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के साथ चल रहे शैक्षणिक सहयोग के क्रम में आयोजित अंग्रेजी विभाग, जामिया और अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन विभाग, वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के बीच चल रही सहयोगी परियोजना के पहलू "न्यू टेरेंस ऑफ़ कांशसनेस: ग्लोबलाइजेशन, सेंसरी एनवायरनमेंटस एंड लोकल कल्चर एंड नॉलेज" पर बात की| जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों में उच्च शैक्षिक संस्थानों के बीच में शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को समृद्ध करना है। इसके बाद उन्होंने सम्मानित वक्ता प्रो. नैन्सी फ्रेजर का परिचय कराया, जिनका तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया गया।

अपने व्याख्यान के माध्यम से, प्रो. नैन्सी फ्रेजर ने उस पूंजीवादी सामाजिक व्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित किया जिसने वैश्विक महामारी को जन्म दिया है। उन्होंने पूंजीवादी अतार्किकता की आलोचना की, जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को बिना किसी इरादे के खत्म कर देती है, जो उसने उत्पन्न की है। उनकी बात ने रेखांकित किया कि कैसे पूंजीवाद

को एक बड़ी संस्थागत सामाजिक व्यवस्था के रूप में समझना महत्वपूर्ण है, न कि केवल एक आर्थिक व्यवस्था के रूप में। उन्होंने जोर देकर कहा कि शोषण के विभिन्न रूप इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था का एक आंतरिक हिस्सा हैं जो बार-बार संकट पैदा करता है। अंत में, उन्होंने आगाह किया कि यह महामारी पूंजीवाद जैसी सामाजिक व्यवस्था का अंतिम उत्पाद नहीं है।

इसके बाद सुश्री साक्षी डोगरा, पीएच.डी. स्कॉलर, अंग्रेजी विभाग, जामिया द्वारा समन्वित एक आकर्षक, गहन प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन सुश्री श्रद्धा ए सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

प्रतिभागियों की एक विस्तृत श्रृंखला और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, इस कार्यक्रम को यू-ट्यूब पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया, और इसमें सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया